

फिक्र करने की नहीं, सतर्क रहने की जरूरत : देवमूर्ति

एसा पहले कभी नहीं हुआ, जो अब हो रहा है। मुझे तो लगता है कि बीते दिन जो कहीं जीवन की भाद-दौड़ में पीछे छूट गए थे, अब वापस आ गए हैं। टीवी पर रमणायण का प्रसारण होने जा रहा है। परिवार में सब साथ मिलकर खाना खाते हैं, एक-दूसरे के साथ वक्त बिताते हैं। इसलिए लॉकडाउन को कम्प्यू से नहीं जोड़ना चाहिए। यह तो बीमारी को रोकने के लिए अपने घरों, जिले और प्रदेश के दरवाजे बंद किए गए हैं। यह भी आपकी अपनी सुरक्षा के लिए। यह कहना है श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति का।

उन्होंने कहा कि लोगों को फिक्र करने की जरूरत नहीं है। अब तो प्रशासन घरों तक सामान मुहैया कर रहा है। घर तक ताजी सब्जियां-फल पहुंच रहे हैं। गलियों में परचून को दुकानें खुली हैं जहां से जरूरत का सामान खरीदा जा सकता है। ऐसे में घर में पौष्टिक खाना बनाएं और परिवार के साथ खूब मस्ती करें। हां, पहलियात के तौर पर सतर्कता बनाएं रहें। लोगों से दूरी बनाएं रहें, बाहर-बाहर हाथ साफ करते रहें और खान-पान का विशेष ध्यान रहें। लॉकडाउन घर में बंद होने की सजा नहीं बल्कि



एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति
● जागरण

‘सेल्फ क्वारंटीन’ है। जिस तरह सामान्य दिनों में भी संना में तैयारियां की जाती रहती हैं, वैसे ही इंसान को भी हर मुश्किल का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह पेंसी मुश्किल है, जिससे हम लड़कर नहीं केवल बचकर ही जीत हासिल कर सकते हैं। बिना घबराए लोग सरकार द्वारा बताई जा रही सावधानियां बरतें, तभी इससे निष्ठात मिल सकेगी।

बाटे जा रहे भोजन के 600 पैकेट:

1000 घरों में 21 दिन का राशन पहुंचाने का निर्णय

गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले एक हजार परिवारों को विधित किया। उन्हें 21 दिन का राशन पहुंचाने का निर्णय लिया। गृहस्थी की छोटी से छोटी वस्तुएं या खाद्य सामग्री पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति से परिवार, परिवार से घर, घरों से समाज और समाज से शहर बनता है। व्यक्ति की पहचान ही शहर होता है। मेरा मनाना है कि जिंदगी में अगर कुछ कमाया है तो उसे लोगों में बांटा जा सकता है।

देवमूर्ति कहते हैं कि लॉकडाउन की शुरूआत होते ही सबसे पहले चिंचित लोगों को भोजन पहुंचाने का निर्णय लिया। रोज दो बार भोजन बंटवाया रहा। जिला प्रशासन के सहयोग से सुबह 100 पैकेट और शाम को 150 पैकेट भोजन बंटवाया गया। अब इसे बढ़ाकर 300-300 पैकेट कर दिया गया है। लॉकडाउन होने तक यह व्यवस्था सुचारु रूप से चलती रहेगी।